PIONEER PAGE 3

छात्रों में रचनात्मकता, अन्वेषण और समाधान विकसित करने वाली हो शिक्षा

● उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें
उच्च शिक्षण संस्थाएं: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही वे वैश्विक मंचों पर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देखरेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व का समर्थन करें।

मंगलवार को राजभवन से राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में विश्वविद्यालय के स्लेट, कम्यूनिकेशन, रिक्रूटमेंट, आटोमेशन आफ सेलरी सिस्टम, काउंसिलिंग एवं अनलॉक पोर्टल सहित अभियांत्रिकी संकाय में स्थापित कम्प्यूटर सेन्टर का आनलाइन उद्घाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन-पाठन ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करें। उनमें नई जानकारी को आवश्यकतानुसार उपयोग करने की दक्षता और सोच पैदा करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करूणा और संवेदनशीलता के साथ उनमें संस्कार के भाव भी विकसित करें। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री के विजन के दृष्टिगत उच्च शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से अनुसंधान और उद्योग आधारित कौशल सशक्तिकरण पर केन्द्रित हो, जो विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को अवसर प्रदान करने, उनकी क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ रोजगार के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी कौशल विकास करेंगे तो वे स्वयं का उद्यम भी आसानी से प्रारम्भ कर सकेंगे और उससे औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को स्टार्टअप इंडिया में अवसर मिलेगा और वे अपने कौशल का समुचित उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनने जा रहा है, जिसका पूरे समाज में एक परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर उनमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है। इसके साथ ही वे वैश्विक मंचों पर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देखरेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व का समर्थन करें।

पीएम के जन्मदिन पर भर्ती के लिए विज्ञापन निकालेगा लविवि

विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि पोर्टल के कॉपीराइट के साथ-साथ इसके लोगो के ट्रेडमार्क को प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय के शिक्षक 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर स्लेट पर अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। इसके बाद प्रो राय ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय में भर्तियों के लिए अगला विज्ञापन 17 सितंबर, 2020 को प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री के जन्मदिवस पर सार्वजनिक उपयोग के लिए नया कंप्यूटर केंद्र खोला जाएगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

युवाओं को बनाएं ग्लोबल सिटीजन : राज्यपाल

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्लेट के तहत चार नई सुविधाओं का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

नई शिक्षा नीति पर आयोजित वेबिनार में कहा, उच्च शिक्षण संस्थाओं में कौशल विकासपरक शिक्षा की जरूरत

कल से स्लेट पर क्लास और नए भर्ती विज्ञापन भी

लविवि की वेबिनार को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

इनका किया उद्घाटन

राज्यपाल ने विवि में स्लेट के तहत शुरू होने वाले लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम, ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल, इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय में कंप्यूटर सेंटर और लखनऊ विश्वविद्यालय ऑनलाइन काउंसलिंग का उद्घाटन किया।

लखनऊ। उच्च शिक्षण संस्थानों को युवाओं को चरित्र निर्माण, नैतिकता और संस्कार की शिक्षा देनी होगी। साथ ही उन्हें रोजगार के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना होगा। हमें अपने युवाओं को ग्लोबल सिटीजन बनाना होगा। ये बातें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के स्ट्रेटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन (स्लेट) के तहत चार नई सुविधाओं के ऑनलाइन उद्घाटन के बाद नई शिक्षा नीति पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शिक्षक चाहे उच्च शिक्षा से जुड़े हो या माध्यमिक, बेसिक से, सभी को सभी विषय की जानकारी रखनी होगी, ट्रेंड होना पड़ेगा। तभी वो विद्यार्थियों को बेहतर जानकारी दे पाएंगे।

राज्यपाल ने पीएम नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि उद्योग आधारित व कौशल विकास परक शिक्षा की जरूरत है। कौशल विकास से वे खुद का उद्योग शुरू करेंगे और देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देंगे। राज्यपाल ने कहा कि यूपी देश का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा, भाषाई बाध्यताओं को दूर करने, दिव्यांग विद्यार्थियों, महिलाओं के लिए शिक्षा को सहज और सुगम बनाने आदि के लिए तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि गुणवतापूर्ण ई-पाठ्यवस्तु क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाएं। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. केयर पांडेय ने संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत गायन से हुई, जिसे डॉ. रेली मिश्रा और डॉ. गरिमा सिंह ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, वित्त अधिकारी संजय श्रीवास्तव, प्रो. आरएस गुप्ता, प्रो अनिल मिश्रा आदि शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारण भी किया गया।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू : एप पर क्लास, ऑनलाइन काउंसलिंग

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अब अपने मोबाइल पर सभी क्लासेस में शामिल हो सकेंगे। विश्वविद्यालय के अच्छे से अच्छे शिक्षक के वीडियो और ई- कंटेंट उन्हें घर बैठे मिलेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित स्ट्रैटेजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन (स्लेट) ऐप तैयार किया गया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में इसका उद्घाटन किया। इसके साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से विकसित पांच अन्य नई डिजिटल सेवाओं की भी शुरुआत की गई।

इनमें स्लैटः स्ट्रैटेजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन, एसआईएमएसः स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम, ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल, इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय में कंप्यूटर सेंटर और अनलॉक : लखनऊ विश्वविद्यालय ऑनलाइन काउंसलिंग सिस्टम शामिल हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने लविवि की न केवल अपने कक्षाओं में बल्कि अपने दैनिक प्रशासनिक कार्य में भी आईसीटी को शामिल करने की दिशा में लगातार कदम उठाने की सराहना की। उन्होंने सभी को नई सुविधाओं के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ विनोद, डॉ मुनका खन्ना, वित्त अधिकारी संजय श्रीवास्तव, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में लगभग 1000 से अधिक दर्शकों के लिए यू ट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया गया था।

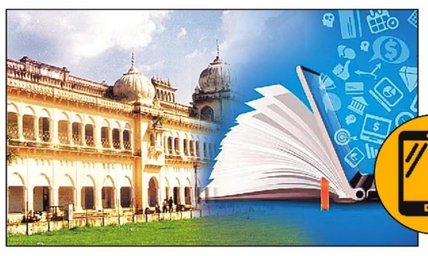

17 से स्लेट का लाभ मिलेगा छात्रों को

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से विश्वविद्यालय के छात्र स्लेट का लाभ उठा सकेंगे। शुरुआत में यह सिर्फ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए उपलब्ध होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय : डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश आवेदन 28 तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश आवेदन की तिथि 28 सितंबर कर दी गई है। साथ ही एमए पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, एमए योगा, एमएससी योगा, बीए योगा, बीएससी योगा व बैचलर इन नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस में भी प्रवेश आवेदन 28 सितंबर तक किए जा सकते हैं।

■ **एमए राजनीति विज्ञान में वाइवा 06-07 को :** लविवि की राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. शशि शुक्ला के अनुसार एमए चौथे सेमेस्टर का वाइवा 6 और 7 अक्तूबर को प्रस्तावित किया गया है। विद्यार्थी इसके अनुसार तैयारी करके इसमें शामिल हो।

■ **शिक्षा शास्त्र के प्रैक्टिकल 23 को :** लविवि के शिक्षा शास्त्र हेड प्रो. टी त्रिवेदी के अनुसार बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों की शिक्षा मनोविज्ञान की प्रैक्टिकल परीक्षा 23 सितंबर को सुबह 9 बजे से होगी। विद्यार्थी अपनी प्रैक्टिकल की फाइल के साथ विभाग में उपस्थित हो।

NBT PAGE 4

एलयू में ऑनलाइन स्लेट पर पढ़ाई

छह नई डिजिटल सेवाओं का राज्यपाल ने किया वर्चुअल उद्घाटन

■ **एनबीटी, लखनऊः** राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को विश्वविद्यालय की छह नई डिजिटल सेवाओं का उद्घाटन किया। इसमें स्लेटः स्ट्रैटेजिक लर्निंग ऐप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन, एसआईएमएसः स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम, ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल, इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, इंजिनियरिंग और टेक्नॉलजी संकाय में कम्प्यूटर सेंटर और अनलॉक : लखनऊ विश्वविद्यालय ऑनलाइन काउंसलिंग पोर्टल जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह सभी सुविधाएं एलयू की वेबसाइट पर जोड़ दी गई हैं।

सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं गुणवत्ता बढ़ाएं : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय की न केवल कक्षाओं में बल्कि अपने दैनिक प्रशासनिक कार्य में भी ऑनलाइन सिस्टम शामिल करने की दिशा में लगातार कदम उठाने की सराहना की। उन्होंने सभी को नई सुविधाओं के लिए बधाई दी। कहा कि प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में लगभग 1,000 से अधिक दर्शकों के लिए यू ट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया गया था। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. विनोद, डॉ. मुनका खन्ना, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर आदि मौजूद रहे।

शुरुआत 17 सितंबर से

एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय ने 'सभी शैक्षिक, शोध संबंधी और प्रशासनिक गतिविधियों में गति, सटीकता और पारदर्शिता' को देखते हुए 6 नए पोर्टलों को डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर स्लेट पर अपनी ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करेंगे। प्रो. राय ने नए भर्ती पोर्टल के बारे में बताया कि इसमें उम्मीदवार बिना किसी समस्या के विश्वविद्यालय में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने घोषणा की कि विश्वविद्यालय में भर्तियों के लिए अगला विज्ञापन 17 सितंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

सिम्स से बिना किसी देरी छात्रों तक पहुंचेगी सूचना

प्रो. राय ने नई एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (इंटीग्रेटेड फाइनैंस मैनेजमेंट सिस्टम) के बारे में बताया कि यह पोर्टल विश्वविद्यालय की वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और सटीकता को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सर्विस (सिम्स) के बारे में बताया, जिसे एक ही पल में अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंचने के लिए डिजाइन किया गया है। ताकि महत्वपूर्ण जानकारी को विना किसी देरी के छात्रों तक पहुंचाया जा सके।

कार्यक्रम में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संकाय में एक नए कंप्यूटर केंद्र का उद्घाटन किया गया है। प्रो. राय ने बताया कि संकाय के स्थापना के बहुत कम समय के अंदर हुई इस सुविधा को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सार्वजनिक उपयोग के लिए खोला जाएगा। प्रो. राय ने एक नए ऑनलाइन ऑफ-कैम्पस काउंसलिंग पोर्टल अनलॉक का भी उल्लेख किया, जिससे विद्यार्थी अपने घरों से काउंसलिंग में शामिल सकेंगे।

इन सेवाओं की भी हुई शुरुआत

● **ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल :** प्रो. राय ने नए भर्ती पोर्टल के बारे में बताया कि इसमें उम्मीदवार बिना किसी समस्या के विश्वविद्यालय में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने घोषणा की कि विश्वविद्यालय में भर्तियों के लिए अगला विज्ञापन 17 सितंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

● **स्टूडेंट इंस्टैंट मैसेजिंग सिस्टम :** सिम्स को बिना किसी देरी के अधिकतम छात्रों तक सूचना पहुंचाने के लिए तैयार किया गया।

● **इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम:** प्रो. राय ने नई एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (इंटीग्रेटेड फानेंस मैनेजमेंट सिस्टम) के बारे में बताया कि यह पोर्टल विश्वविद्यालय की वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और सटीकता को सुनिश्चित करेगा।

● **अनलॉक :** यह एक ऑनलाइन काउंसलिंग पोर्टल है। प्रो. राय ने बताया कि यह न केवल एक महत्वपूर्ण पोर्टल है। इससे कोरोना संकट में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी ताकि वे अपने घरों से आराम से काउंसलिंग के लिए नामांकन कर सकें। यह एक दूरदर्शी कदम है जो विश्वविद्यालय मे विभिन्न कार्यक्रमों मे प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों की काउंसलिंग प्रक्रिया को गति देने का काम करेगा।

● **इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर सेंटर :** इस अवसर पर इंजीनियरिंग विभाग में कंप्यूटर सेंटर की भी शुरुआत की गई।

लविवि में कई कोर्स की आवेदन तिथि बढ़ी

लखनऊ। लखनऊ विवि ने इस सत्र में शुरू हो रहे योग, नेचुरोपैथी समेत कई अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। आवेदन 28 सितंबर तक किए जाएंगे। प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने यह जानकारी दी। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें।

THE PIONEER PAGE 4

LU gets six new digital services

PNS ■ LUCKNOW

Governor Anandiben Patel attending the event online — Pioneer

Lucknow University on Tuesday hosted a virtual inauguration event for six new digital services, including their indigenously developed learning management system called SLATE.

Strategic learning application for transformative education (SLATE) includes student instant messaging system (SIMS), online recruitment portal, integrated financial management system, computer centre at the Faculty of Engineering and Technology, and University of Lucknow online counselling (UnLOC).

Governor Anandiben Patel was the chief guest of the event which was attended by several dignitaries. The Governor spoke on 'National Education Policy 2020' and expectations from higher educational institutions. She outlined the importance of NEP2020 and its defining characteristic of being something that is the result of consultation with lakhs of people around the country. She said that NEP is built on the fundamental pillars of easy access, equality, quality, affordability of education and accountability for all.

"This education policy aims to bring out creative thinking, reasoning ability and spirit of innovation in every student. The purpose of NEP2020 is to attract more attention to education and learning and to promote the use of technology for education, to remove linguistic constraints, to make education easier for disabled students, and women," she said.

"The Higher Education Commission of India will be established as a single body for the higher education sector and universities for multidisciplinary education and multi-pronged research of global standards will be established," she said. "The three-dimensional role of teaching, research and expansion of institutions of higher education and inter-complementarity of colleges and universities etc is underlined in the NEP. In fact, NEP2020 encompasses elementary education and digital education, technology in education, promotion of Indian languages, internationalisation of education, vocational education, adult education and even financial education," she added.

Expressing her expectations for Lucknow University to be an exemplary institute in the implementation of the objectives of NEP2020, she said higher educational institutions should work towards ensuring everyone's access to high-quality and comprehensive education and at the global forums, leading economic and social development, and conserving equality, environment, scientific progress and culture. "A major path will be paved by the introduction of several different modules in the education system under the National Skill Qualification Framework (NSQF) in NEP2020, as per the vision of Prime Minister Narendra Modi. The educated youth will not only get opportunities across India but also be able to learn and use new skills," she added.

LU Vice-Chancellor AK Rai said they have been constantly moving towards the incorporation of speed, accuracy and transparency in all its educational, research and administrative activities and in line with this motivation, the new portals were designed.

He also announced that the next advertisement for recruitments in the university would be published on September 17.

i-NEXT PAGE 3

विभागीय स्तर पर होंगे एग्जाम

फाइनल ईयर के होंगे एग्जाम.

LUCKNOW(15 Sept, inext): एलयू प्रशासन इस साल होने वाले पीजी के फाइनल ईयर के सेमेस्टर एग्जाम विभागीय स्तर पर करवाएगा. परीक्षा विभाग ने संकायों को आदेश जारी कर दिए हैं. पिछले सेमेस्टर में ट्रायल के तौर पर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने संकायों में सेन्ट्रलाइज्ड सिस्टम से एग्जाम करवाये थे, जिसमें एग्जाम कराने से लेकर रिजल्ट जारी करने तक अव्यवस्थाओं का सामना एलयू प्रशासन को करना पड़ा था. इसको देखते हुए ये फैसला लिया गया है.

एग्जाम करवाता था एलयू

पीजी सेमेस्टर एग्जाम के लिए यूनिवर्सिटी अपने सेंटर सिस्टम का प्रयोग करता था, लेकिन इस बार कोरोना को देखते हुए यूनिवर्सिटी एग्जाम अपने विभागों की निगरानी में कराने की तैयारी कर रहा है. यूनिवर्सिटी सूत्रों का कहना है कि इससे यूनिवर्सिटी को आर्थिक फायदा होने के साथ एग्जाम कराने में कोई प्रॉब्लम नहीं होगी. यूनिवर्सिटी के ज्यादातर कॉलेजों में पीजी कोर्सेस का संचालन नहीं होता है ऐसे में एलयू वहां के स्टूडेंट्स को अपने यहां बुलाकर विभागों में ही एग्जाम करा सकता हैं.

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

राज्यपाल का प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं से आह्वान

उच्च शिक्षा सबकी पहुंच तक सुनिश्चित करें

राजभवन से लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अवसर पर होने वाले कार्यों का किया आनलाइन उद्घाटन

लखनऊ (एसएनबी)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें। श्रीमती पटेल ने मंगलवार को राजभवन से लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विश्वविद्यालय के स्लेट, कम्यूनिकेशन, रिक्रूटमेंट, आटोमेशन ऑफ सेलरी सिस्टम, काउंसिलिंग एवं अनलॉक पोर्टल सहित अभियांत्रिकी संकाय में स्थापित कम्प्यूटर सेन्टर का ऑनलाइन उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा राज्य की उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षाएं' विषयक ई-संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच तक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही वे वैश्विक मंचों पर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देखरेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व का समर्थन करें।

छात्रों को ऐसी शिक्षा दें कि वे ग्लोबल सिटीजन बन सकें : राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा कि उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन-पाठन ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करे। उनमें नई जानकारी को आवश्यकतानुसार उपयोग करने की दक्षता और सोच पैदा करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करुणा और संवेदनशीलता के साथ उनमें संस्कार के भाव भी विकसित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से हम सभी को ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र-गौरव के साथ विश्व-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत हों और वे सही मायने में ग्लोबल सिटिजन बन सकें। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के दृष्टिगत उच्च शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से अनुसंधान और उद्योग आधारित कौशल सशक्तिकरण पर केन्द्रित हो, जो विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को अवसर प्रदान करने, उनकी क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ रोजगार के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी कौशल विकास करेंगे तो वे स्वयं का उद्यम भी आसानी से प्रारम्भ कर सकेंगे और उससे औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को स्टार्टअप इंडिया में अवसर मिलेगा और वे अपने कौशल का समुचित उपयोग कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर उनमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।

उन्होंने कहा कि इस नीति में आनलाइन शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा में प्रौद्योगिकी, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण, व्यावसायिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और वित्तपोषण शिक्षा इन सभी पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण सहित अन्य लोग भी ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

पीएम के जन्मदिन पर 17 से शुरू होंगी लविवि में कक्षाएं

जागरण संवाददाता, लखनऊ : शिक्षा का अर्थ मनुष्य को आंतरिक शक्तियां बाहर लाने के लिए प्रेरित करना है। इसी शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित व पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से ढाई साल तक ढाई लाख लोगों ने जमीनी स्तर पर काम किया, तब नई शिक्षा नीति तैयारी हुई।

मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की छह डिजिटल सेवाओं के उद्घाटन पर राज्यपाल व व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने ये विचार व्यक्त किए। वहीं, विवि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 17 सितंबर को स्लेट पोर्टल पर कक्षाएं शुरू करेगा। राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न

उच्च शिक्षण संस्थानों से प्राप्त अंकों या क्रेडिट को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिये एक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट दिया जाएगा। उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक एकल निकाय के रूप में भारत उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच की स्थापना की जाएगी।

स्लेट पोर्टल पर पढ़ाएंगे शिक्षक : कुलपति प्रो आलोक कुमार राय कहा कि विवि के शिक्षक 17 सितंबर से स्लेट पोर्टल पर अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। सभी स्लेट सहित छह नए पोर्टलों को विवि ने स्वयं डिजाइन किया है। इनके कॉपीराइट, लोगो के ट्रेडमार्क की प्रक्रिया जारी है। वीसी ने विवि में शिक्षकों की भर्ती पर जोर दिया। नए भर्ती पोर्टल के बारे में बताया कि दुनिया भर के उम्मीदवार बिना किसी समस्या के विवि में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। विज्ञापन भी पीएम के जन्मदिन पर प्रकाशित किया जाएगा।

ये डिजिटल सुविधाएं शुरू

● स्लेट: स्ट्रैटेजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन● सिम्स: स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम● ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल, इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम● इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय में कंप्यूटर सेंटर● ऑनलाइन काउंसलिंग। वीसी ने कहा कि 17 सितंबर को विवि का कंप्यूटर केंद्र सार्वजनिक उपयोग के लिए खोला जाएगा। नए ऑनलाइन ऑफ-कैंपस काउंसिलिंग पोर्टल (UnLOC) के बारे में बताया कि छात्रों को घर बैठे काउंसिलिंग के लिए नामांकन का अवसर मिलेगा।

पीजी अंतिम वर्ष की परीक्षाओं की कमान विभागों के हाथ

लविवि प्रशासन ने परीक्षाओं को लेकर एक नया कदम उठाया है। इस वर्ष होने वाली पीजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की सेमेस्टर परीक्षाएं विभागीय स्तर पर करवाई जाएगी। इसके लिए विवि के परीक्षा विभाग ने सभी संकायों को आदेश जारी कर दिए है। बता दें कि सेमेस्टर सिस्टम में ट्रायल के तौर पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संकायों में केंद्रीयकृत प्रणाली से परीक्षाएं करवाई थी। इसमें परीक्षा कराने से लेकर परिणाम जारी करने तक काफी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा था। इसके चलते विवि ने यह फैसला लिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एएम सक्सेना ने बताया कि 21 सितंबर से विज्ञान फैकेल्टी और 28 सितंबर से आर्ट्स व कॉमर्स फैकेल्टी की परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इन सभी संकाय के विभागों को परीक्षा से संबंधित आदेश व निर्देश जारी कर दिए गए है।

TOI PAGE 2

Guv calls for reforms in higher edu institutes

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Governor and chancellor of state universities Anandiben Patel on Tuesday said all higher education institutes should introduce reforms in the existing pattern to make education qualitative and accessible to all.

Addressing a webinar on 'National Education Policy (NEP) 2020: Expectations from state higher education institutes' organised by Lucknow University, the Governor said NEP emphasises on online and digital education, technological innovation, promotion of regional languages and global vision.

The webinar was held after an online ceremony in which Patel inaugurated several LU projects, including online learning system SLATE (Strategic Learning Application for Transformative Education), a computer centre in engineering faculty and automation of salary system, among others.

TOI

Governor Anandiben Patel during the webinar on Tuesday

"Education should be designed to promote scientific and creative thinking among students. It should motivate students for character building, developing sensitivity and inculcate values," she said, stressing on the need for all-round development.

"We have to ensure that students who graduate feel proud of their country and are fit to be global citizens. Educational institutes should support global campaigns for economic and social development, environment conservation, equality and preservation of cultural heritage," the Governor said.

She said as per the vision of Prime Minister Narendra Modi, NEP should provide technical and entrepreneurial skills to students so that they could undertake research in various fields which could provide them employment and even make them job creators by launching start-ups.

"UP is set to become the biggest manufacturing hub of the country, which will impact the entire society. We will have to see that marginalised groups are not left out from development process and ensure quality education to women," she added.

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai and teachers also spoke on the occasion.

LU students get online SLATE to attend lectures

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: All Lucknow University students will attend online classes on SLATE — Strategic Learning Application for Transformative Education — LU's state-of-the-art digital platform which extends the classroom beyond the confines of the four walls and gives students a wider range of resources.

Like an offline class, the head of the respective department, faculty dean or vice-chancellor can check whether classes are being conducted timely or not. SLATE was launched on Tuesday and will be used for conducting classes by all faculties.

The system will not only help in conducting online classes but will also maintain attendance of students, flash time-table and name of the teacher whose class is scheduled. It comes with an advantage of running parallel classes of all the departments at the same time in an online mode. Classes presently being conducted via video-conferencing apps do not have this advantage.

"It is a self-created video-conferencing and virtual class system to avoid any hindrance, hacking, and a secured online class system. SLATE has been made by the computer experts of the university and it has its copyright," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said the portal will have three logins — student, teacher and administrative. A student can enter his credential and will land in his or her scheduled class. Similarly, teachers will log into their scheduled class with a whiteboard and marker to give students a feel of a real classroom.

"Even if Covid cases decline, it will be a challenge to maintain social distancing in a class of 100 students. Hence, this option will be of great help as students who want to attend online class can log in from anywhere. Those who prefer offline mode can come to the campus," said dean, student welfare, Prof Poonam Tandon.

AMRIT VICHAR PAGE 2

ई-संगोष्ठी | राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय की छह नई सेवाओं का राजभवन से किया ऑनलाइन उद्घाटन

शिक्षण संस्थाएं सबकी पहुंच तक सुनिश्चित करें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

अमृत विचार लखनऊ

राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें।